www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 मंगोलिया से सामरिक साझेदारी कर मोदी... | 3 पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा ने 53 लाख के दो जेसीबी... | 4 बिजली चोरी में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी...

वर्षः 9 | अंकः 352 | दिल्ली, बुधवार, 15 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

मैथिली ठाकुर ने थामा भाजपा का दामन

पटना (एजेन्सी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, लोक और भक्ति गायिका मैथिली ठाकुर मंगलवार को पटना में बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। सूत्रों के अनुसार, ठाकुर के दरभंगा के अलीनगर से आगामी राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। बिहार की 243 सीटों वाली विधानसभा के लिए मतदान 6 नवंबर और 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी। इस अवसर पर बोलते हुए, बिहार भाजपा अध्यक्ष जायसवाल ने एनडीए की जीत पर विश्वास जताते हुए कहा कि मतदाताओं ने प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने विपक्षी महागठबंधन पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे "निराश और उदास" हैं और दावा किया कि उनके आधा दर्जन से अधिक विधायक जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे। उनसे प्रेरणा लेते हुए, मैं उनका समर्थन करने के लिए यहाँ हूँ। मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैं यह नहीं मानती कि किसी राजनीतिक दल में शामिल होने से आप राजनेता बन जाते हैं; मैं यहाँ समाज की सेवा करने और उनकी विचारधारा को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए हूँ... मैं मिथिला की बेटी हूँ, मेरी आत्मा मिथिला में बसती है... पार्टी को पता चल जाएगा कि उनके मन में मेरे लिए क्या है; मैं यहाँ केवल उनका समर्थन करने के लिए हूँ।

राजस्थान में सवारियों से भरी चलती बस में भीषण आग, 10 से अधिक यात्री झुलसे

राजस्थान (एजेन्सी)। जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक निजी बस में मंगलवार दोपहर थईयात गाँव के पास अचानक आग लग गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि 10-12 यात्री झुलस गए हैं। बस अपने निर्धारित समय से लगभग दोपहर 3 बजे जैसलमेर से रवाना हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थईयात गाँव के पास बस के पिछले हिस्से से धुआँ उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। खबर मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल पर पहुँचे और बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने दमकल विभाग और पुलिस को भी सूचना दी। घायल यात्रियों को इलाज के लिए जैसलमेर के जवाहर अस्पताल ले जाया जा रहा है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली स्टेशन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

दीपवाली और छठ पर्व हर घर में सुख, समृद्धि और सौहार्द लेकर आए-सीएम

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। त्यौहारो के सीजन को देखते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और रेल अधिकारियों से स्टेशन पर संभावित यात्रियों की संख्या और उनके प्रबंधन की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों पर सुरक्षा समेत अन्य उपायों की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने यात्रियों से संवाद भी किया, उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी यात्री को असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। मुख्यमंत्री ने स्टेशन पर बने यात्री सुविधा केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां यात्रियों के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री के साथ इस निरीक्षण दौरे में सांसद मनोज तिवारी भी थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार मिलकर यह सुनिश्चित कर रही हैं कि किसी भी यात्री की यात्रा में कोई बाधा न आए। यह एक ऐसी सरकार है जो हर समय, 24×7 जनता की सेवा में खड़ी है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर के यात्रियों के लिए विशेष ट्रेनें शुरू की गई है, ताकि सभी नागरिक अपने परिवारों के साथ

त्योहार खुशहाल तरीके से मना सकें। उन्होंने कहा कि यह पहल सरकार की जनसुविधा, जनसुरक्षा और जनसंस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि यात्रियों की सुविधा के लिए बने यात्री सुविधा केंद्र प्रधानमंत्री जी की पहल का परिणाम है, जिसका उद्देश्य त्योहारों के दौरान यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के इस शुभ अवसर पर दिल्लीवासियों के लिए तैयार किया गया यह आधुनिक सुविधा केंद्र मात्र तीन महीने में तैयार किया गया है। यह केंद्र एक ही छत के नीचे प्रतिदिन

हजारों यात्रियों को ठहरने, टिकट प्राप्त करने, विश्राम करने और आवश्यक सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बताया कि अब यात्रियों को टिकट के लिए लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं होगी। सुविधा केंद्र में स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, तथा महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए विशेष प्रावधान जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए नया फुट ओवर ब्रिज भी बनाया गया है ताकि आवागमन के रास्ते अलग-अलग रहें और भीड़ प्रबंधन प्रभावी तरीके से हो सके। उन्होंने कहा कि स्टेशन पर सुलभ कराई गई सुविधाएं केवल आधारभूत सुविधा नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनशीलता और जनकल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों को देखते हुए लाखों यात्री दिल्ली से अपने शहरों, घरों की ओर प्रस्थान करेंगे। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि भीड़ प्रबंधन को लेकर पहले से ही तैयारी कर ली जाए, ताकि आगामी दिनों में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों और देशवासियों को दीपवाली और छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व हर घर में सुख, समृद्धि और सौहार्द लेकर आए। सरकार हर नागरिक के सुखद और सुरक्षित यात्रा के लिए निरंतर कार्यरत है।

ग्राम पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं, ग्रामीण विकास की आत्मा हैंः योगी आदित्यनाथ

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्यों से नवाचारों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। मंगलवार को पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की आत्मा हैं। इन इकाइयों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पारदर्शिता, तकनीक और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

बैठक में प्रस्तुत विवरण के अनुसार, पंचायतों की स्वनिधि बढ़ाने के लिए विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय कर एवं यूजर चार्ज संग्रह की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। पंचायतों की आय वृद्धि के लिए विभिन्न नवाचारों पर कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शिता और तकनीकी उपयोग के माध्यम से ग्राम पंचायतों की राजस्व प्राप्ति और जनसेवा की गुणवत्ता दोनों में सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि विकास

■ जिला पंचायतों में भवन मानचित्र स्वीकृति हेतु सिविल इंजीनियर या आर्किटेक्ट की तैनाती के निर्देश

प्राधिकरणों के अतिरिक्त जिला पंचायतों के अधीन क्षेत्रों में भवन मानचित्र स्वीकृति के लिए जिला पंचायतों के पास दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता होनी चाहिए। इस हेतु प्रत्येक जिला पंचायत में सिविल इंजीनियर अथवा आर्किटेक्ट की तैनाती की व्यवस्था की जाए, जिससे स्थानीय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड निर्माण, संशोधन, बायोमेट्रिक अपग्रेडेशन आदि कार्यों के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे नागरिकों को सुविधा मिले और मिलने वाले शुल्क से ग्राम पंचायत की आय में भी वृद्धि हो।

बैठक में यह भी बताया गया कि पंचायती राज विभाग द्वारा तालाबों/पोखरों की सूचीकरण और उपयोग नीति पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत तथा जिला पंचायत के अधीन तालाबों/पोखरों का समयबद्ध पट्टा किया जाए और इनसे प्राप्त राशि को हर घर नल, जल संरक्षण तथा ग्राम्य हित के कार्यों में ही उपयोग किया जाए। उन्होंने इस हेतु एक स्पष्ट नियमावली तैयार करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों के पास जितनी अधिक स्व-वित्तीय क्षमता होगी, उतनी ही तेजी से ग्रामीण विकास के कार्य आगे बढ़ेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत प्रतिनिधियों को वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल सेवा वितरण और जनसुविधा संचालन के विषय में प्रशिक्षण दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि ग्राम पंचायतों की समृद्धि ही आत्मनिर्भर भारत की नींव है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर ग्राम पंचायत सेवा, स्वच्छता और स्वावलंबन की प्रतीक बने।

सीएम सैनी ने 10 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दीपावली तक यात्री कर सकेंगे निःशुल्क सफर

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को कुरुक्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस सेवा की सौगात देते हुए 10 इलेक्ट्रिक बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री के साथ पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गीता स्थली ज्योतिसर से लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तक इलेक्ट्रिक बस का सफर किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नागरिक दीपावली तक इन इलेक्ट्रिक बसों में निःशुल्क सफर कर सकेंगे। मुख्यमंत्री मंगलवार को गीता स्थली ज्योतिसर में हरियाणा राज्य परिवहन विभाग की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इलेक्ट्रिक बसें अलग अलग रूट पर चलाई जाएंगी। इस इलेक्ट्रिक बस सेवा से देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी फायदा मिलेगा। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, सूर्य ग्रहण मेला, सोमवती अमावस्या के साथ-साथ अन्य मेलों में इलेक्ट्रिक बस सेवा का यात्री फायदा उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि जीरो कार्बन उत्सर्जन सार्वजनिक परिवहन शुरू करने के उद्देश्य से राज्य परिवहन हरियाणा ने भारत सरकार के राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन 2020 के अंतर्गत हरियाणा और उसके आस-पास के राज्य में पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक बस सेवा चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजनिक परिवहन बस सेवा प्रदान

करने के लिए 10 नगर निगमों, पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, हिसार, गुरुग्राम और फरीदाबाद के लिए 50-50 ई-बसें खरीदने का निर्णय लिया गया है। जिसमें कुल 500 बसें और दिल्ली, गुरुग्राम और अन्य आस-पास के शहरों व उप शहरों के निकट होने के कारण रेवाड़ी के लिए 50 बसें होंगी। इस प्रदेश में विभाग की तरफ से सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मॉडल के तहत 12 मीटर मानक फ्लोर 375 एसी इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के पानीपत, यमुनानगर, करनाल, पंचकूला, हिसार, रोहतक, रेवाडी, सोनीपत में 5-5 बसें और अंबाला में 10 ई-बस सेवा शुरू की जा चुकी हैं और अब दीपावली के पावन पर्व से पहले कुरुक्षेत्र शहर में श्रद्धालुओं व तीर्थ यात्रियों को इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा प्रदान की है। यह राज्य सरकार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह पूरे देश में किसी भी राज्य की एक अनूठी परियोजना है। इस सिटी बस सेवा से न केवल कुरुक्षेत्र के नागरिकों को लाभ होगा बल्कि शून्य प्रदूषण और शून्य ध्वनि प्रदूषण भी होगा। उन्होंने कहा कि 375 बसों के संचालन के लिए सभी 10 शहरों में अलग-अलग सिटी बस सेवा डिपो का निर्माण भी किया जा रहा है। इसमें पानीपत इलेक्ट्रिक बस डिपो का निर्माण पूरा हो चुका है और यमुनानगर में शीघ्र पूरा होने वाला है।

इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, सीईओ केडीबी पंकज सेतिया, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली का होगा विकास, रविन्द्र इन्द्राज ने पीडब्ल्यूडी मंत्री को लिखा पत्र

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री एवं उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के प्रभारी रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने मंगलवार को बेहतर और सुरक्षित यातायात के लिए पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह को बवाना से होकर गुजरने वाली प्रमुख सड़कों के डिमार्केशन और चौड़ीकरण हेतु पत्र लिखकर, इसके त्वरित कार्यान्वयन हेतु निर्देश देने का आग्रह किया। समाज कल्याण मंत्री ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के विकास के लिए बवाना से औचंदी बॉर्डर की ओर जाने वाले जीटी करनाल रोड के सीमांकन, चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण, डीएसआईआईडीसी कट से राजीव गाँधी स्टेडियम तक फ्लाईओवर निर्माण और मंगोलपुरी चौक से कंझावला तक फ्लाईओवर निर्माण की जरुरत बताई।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि बवाना से औचंदी बॉर्डर की ओर जाने वाले जीटी करनाल रोड औद्योगिक एवं आवासीय क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। इस पर उद्योगों से जुड़े भारी वाहन गुजरते हैं। साथ ही रिहायशी कॉलोनियों से औद्योगिक क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों व अन्य लोगों का नियमित आवागमन होता है। वर्तमान में यह सड़क कई जगहों पर संकरी और असमान है, जिससे हैवी ट्रैफिक के कारण जाम लगता है, दुर्घटनाएँ होती हैं और आमजन के लिए यातायात बाधित होता रहता है। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में लोगों की यह समस्याएं अक्सर आती हैं, उन्होंने पीडब्ल्यूडी मंत्री से अनुरोध किया कि संबंधित क्षेत्र के पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को सड़क के सीमांकन, चौड़ीकरण एवं डिवाइडर निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु

दिशा-निर्देश दें। समाज कल्याण मंत्री ने पत्र के जरिये ग्रामीण गौशाला के नजदीक डीएसआईआईडीसी कट से राजीव गाँधी स्टेडियम तक फ्लाईओवर निर्माण हेतु भी लिखा। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि इस हिस्से में बढ़ता ट्रैफिक जाम स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। लगातार जाम से प्रदूषण और सुरक्षा के खतरे बढ़ रहे हैं। उन्होंने पीडब्ल्यूडी मंत्री से इस विषय पर विशेष ध्यान देते हुए फ्लाईओवर निर्माण के निर्देश जारी करने का अनुरोध किया।

श्री इन्द्राज ने मंगोलपुरी चौक से कंझावला तक लगने वाले ट्रैफिक जाम के कारण स्थानीय निवासियों और दैनिक यातायात में होने वाली समस्या की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए इसके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश देने का भी पीडब्ल्यूडी मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह से आग्रह किया। उन्होंने मंगोलपुरी चौक (आउटर रिंग रोड) से कंझावला तक फ्लाईओवर निर्माण हेतु आग्रह किया।

सीएम धामी ने मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत 32 श्रद्धालुओं को गंगोत्री धाम के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राज्य सरकार की मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के तहत 32 श्रद्धालुओं के एक दल को गंगोत्री धाम के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हल्द्वानी सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री धामी ने सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुखद और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना का उद्देश्य श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करना और उनके जीवन में आध्यात्मिक शांति और आनंद लाना है।

इस बीच, पांच दिवसीय तीर्थयात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के दल में 19 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं। मातृ-पितृ योजना के तहत, श्रद्धालु गंगोत्री धाम के साथ-साथ मार्ग में पड़ने वाले अन्य पवित्र स्थलों के भी दर्शन करेंगे। आवास, भोजन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था गढ़वाल मंडल विकास निगम के पर्यटक गेस्टहाउस में की गई थी। इससे पहले, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में नौ दिवसीय सहकारिता मेले

में भाग लिया और ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता में सहकारिता की भूमिका पर प्रकाश डाला।

विज्ञप्ति के अनुसार, उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में सहकारिता आंदोलन ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है और सामाजिक एकता एवं आंशिक आत्मनिर्भरता की नींव भी रखता है। सहकारिता समाज को एकजुट करने और आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने का एक माध्यम है। सोमवार को मुख्यमंत्री धामी ने विभिन्न विभागों, समूहों और संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्थानीय उत्पादों के स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और उन्हें बाजार से जोड़ने के प्रयासों के लिए किसानों और स्वयं सहायता समूहों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह मेला सहकारिता की भावना को और मजबूत करेगा और महिलाओं व स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करेगा। सहकारिता भारत की संस्कृति और जीवन शैली का प्रतीक है, जो 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन में परिलक्षित होती है।

'छठ पूजा 2025' की तैयारियों को लेकर कपिल मिश्रा ने की उच्च-स्तरीय बैठक

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा और पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सचिवालय में 'छठ पूजा 2025' को लेकर एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें तैयारियों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को तमाम दिशा निर्देश जारी किए।

बैठक में समिति से जुड़े विधायक श्री चंदन कुमार चौधरी के अलावा वन एवं पर्यावरण विभाग के सचिव, कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग की सचिव और MCD, DDA, राजस्व विभाग, दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी, दिल्ली के सभी जिलाधिकारी और I & FC विभाग के अधिकारी उपथित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों, व्यवस्थाओं और विभागीय समन्वय पर

विस्तार से चर्चा हुई। मीटिंग के दौरान मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष दिल्ली में लगभग एक हजार से ज्यादा स्थानों पर छठ पर्व मनाया जाएगा जो अब तक का सबसे व्यापक आयोजन होगा। पिछले कई वर्षों के बाद यमुना घाटों पर छठ पूजा का विशेष आयोजन किया जा रहा है जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यमुना घाटों के अलावा छठ पूजा के लिए चार प्रमुख स्थान द्वारका, हाथी घाट, पीतमपुरा और सोनिया विहार पर विशेष तौर पर भव्य आयोजन किए जाएंगे। दिल्ली के सभी छठ घाटों पर पूर्वांचल की लोक संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने के लिए विशेष इंतजाम नजर आयेंगे।

श्री मिश्रा ने आगे कहा कि कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा दिल्ली के 200 से अधिक स्थानों पर विभिन्न कलाकार लोकगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देंगे। घाटों पर भव्य स्वागत द्वार, छठी मैय्या और सूर्य भगवान की प्रतिमाओं के साथ ही आकर्षक विद्युत सजावट लगाई जाएगी ताकि वातावरण श्रद्धापूर्ण और उत्सवमय बने। कुछ प्रमुख स्थानों पर 'मॉडल छठ घाट' स्थापित किए जा रहे हैं जो सजावट और सुविधाओं के दृष्टिकोण से उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

अयोध्या दीपोत्सव के लिए बनाए जा रहे 15 अस्थायी चिकित्सालय

दीपोत्सव 2025 को अविस्मरणीय बनाने के लिए युद्धस्तर पर जुटी योगी सरकार

संजना भारती संवाददाता

अयोध्या। दीपोत्सव 2025 को अविस्मरणीय और पूर्णतः सुरक्षित बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने अयोध्या में पुख्ता इंतजाम किए हैं। इस बार दीपोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए 15 अस्थायी चिकित्सालय बनाए जा रहे हैं। साथ ही संपूर्ण मेला क्षेत्र में 10 स्थानों पर चौबीसों घंटे एंबुलेंस की तैनाती की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष निर्देश पर इस वर्ष नौवें संस्करण के दीपोत्सव के लिए युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इस आयोजन में एक-एक व्यक्ति के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाएगा। अयोध्या के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बानियान ने बताया कि दीपोत्सव के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पूरी सतर्कता बरती जाएगी। सभी चिकित्सालयों में आवश्यक दवाएं, पैरामेडिकल स्टाफ और विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे।

कंट्रोल रूम, श्री राम जन्मभूमि परिसर, श्री हनुमानगढ़ी, श्री कनक भवन मंदिर परिसर, पक्का घाट, बंधा तिराहा (वीणा चौराहा), हनुमानगुफा (श्री राम कथा संग्रहालय), साकेत पेट्रोल पंप, अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन और श्री नागेश्वर नाथ मंदिर पर एंबुलेंस हर समय मौजूद रहेंगी।

तीन प्रमुख अस्पतालों में 50 बेड आरक्षित

1. स्वशासी राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज, अयोध्या नगर में 20 बेड आरक्षित।
2. जिला चिकित्सालय अयोध्या (पुरुष) में 20 बेड आरक्षित।
3. श्री राम चिकित्सालय अयोध्या में 10 बेड आरक्षित।

इन 15 स्थानों पर बनाए जा रहे अस्थायी प्राथमिक उपचार केंद्र

कंट्रोल रूम (साकेत डिग्री कॉलेज के सामने), श्री राम जन्मभूमि निकास द्वार, श्री राम जन्मभूमि निकास द्वार (पीएफसी), श्री हनुमानगढ़ी मंदिर, बंधा तिराहा (विकास प्राधिकरण कार्यालय), पक्का घाट (08 बेड अस्थायी चिकित्सालय), श्री नागेश्वरनाथ मंदिर, साकेत पेट्रोल पंप, हनुमानगुफा (श्री राम कथा संग्रहालय), अंतर्राष्ट्रीय बस स्टॉप अयोध्या धाम, कारसेवकपुरम, दशरथ महल, अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन, कनक भवन मंदिर परिसर और झनकी घाट पर चिकित्सा शिविर लगाए जा रहे हैं। दीपोत्सव में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए अमेठी, अंबेडकरनगर, बाराबंकी और सुल्तानपुर जनपदों से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीमें भी अयोध्या पहुंचेंगी। ये टीमें संपूर्ण आयोजन के दौरान अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहकर श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगी।

सम्पादकीय

पाक की चापलूसी

शर्म-अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन का मंच सिर्फ पश्चिम एशिया की राजनीति का नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के भविष्य के संकेतों का भी साक्षी बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब सार्वजनिक रूप से कहा कि भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे" और साथ ही भारत को महान देश बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्यक्ष प्रशंसा की, तो यह केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं था। यह बयान दरअसल उस रणनीतिक संदेश का प्रतीक है, जिसके जरिए ट्रंप एक साथ दोनों एशियाई देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित रखना चाहते हैं-लेकिन प्राथमिकता के पलड़े भारत की ओर झुके दिखते हैं। ट्रंप के इस वक्तव्य के पीछे दो परतें साफ दिखती हैं। पहली यह है कि वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी मध्यस्थता के बिना भारत-पाक युद्ध छिड़ जाता, जो अमेरिकी "विश्व उद्धारक" की छवि को पुनः स्थापित करने की कोशिश है। दूसरी, मोदी के लिए इस्तेमाल किया गया my very good friend जैसा संबोधन न सिर्फ. व्यक्तिगत निकटता दर्शाता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति अब पाकिस्तान की रणनीतिक उपयोगिता से कहीं आगे निकल चुकी है। भारत के दृष्टिकोण से देखें तो यह वह क्षण था जब कूटनीति की मेज पर संवाद के साथ संप्रभुता का भारतीय मॉडल विजयी होता दिखा। भारत ने न तो अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार किया, न ही पाकिस्तान की शांति-अभिनय की भाषा में शामिल हुआ। विदेश मंत्रालय ने इस पूरे प्रसंग को संयमित शब्दों में संभालते हुए ट्रंप की भूमिका की सराहना तो की, पर स्पष्ट किया कि भारत शांति के लिए प्रत्यक्ष बातचीत में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप के प्रयासों की ईमानदारी को रेखांकित करते हुए गाजा में बंधकों की रिहाई पर मानवता की जीत पर जोर दिया, न कि किसी नेता की। इसके बरअक्स पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का रवैया चौंकाने वाला और कुछ हद तक लज्जाजनक रहा। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जिस तरह चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वह पाकिस्तान की कूटनीतिक निर्भरता का प्रतीक बन गया। मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूं, से लेकर अगर यह सज्जन न होते तो भारत-पाकिस्तान युद्ध में कोई जीवित न बचता तक, हर वाक्य आत्मसमर्पण जैसा लगा। यह सिर्फ. अमेरिकी कृपा पाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि अपने घरेलू असंतोष और सैन्य दबावों के बीच शरीफ द्वारा सुरक्षा-राजनीति की लगाम वॉशिंगटन के हाथों में सौंपने जैसा कृत्य था। यह वही पाकिस्तान है जिसने वर्षों तक अमेरिका से "समानता" की मांग की, पर अब एक नेता के व्यक्तिगत धन्यवाद में अपनी संप्रभुता का स्वर खो बैठा। शहबाज शरीफ का यह रवैया दो बातों को उजागर करता है। पहला यह कि पाकिस्तान की विदेश नीति आज आत्मनिर्भरता से कोसों दूर है और दूसरा यह कि शहबाज अपनी नाकामी को अमेरिकी प्रशंसा से ढंकने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप की मुस्कराहट वाली तस्वीर भी बहुत कुछ कहती है। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा He is going to help make that happen, right? यह एक राजनीतिक व्यंग्य था। यह संकेत था कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया में मध्यस्थ नहीं बल्कि निर्देशक की भूमिका निभाना चाहता है और शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने कृतज्ञता के ग्रंथ में बदल डाला। हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की शांति की राजनीति में भारत की भूमिका गरिमा के साथ सीमित रही। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह का सम्मेलन में उपस्थित होना और भारत का आधिकारिक वक्तव्य, दोनों ने यह संदेश दिया कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर दूसरों के सहारे नहीं बल्कि अपने सिद्धांतों पर खड़ा रहेगा।

जयंती

अब्दुल कलाम

जन्म: 15 अक्तूबर, 1931, रामेश्वरम; मृत्यु: 27 जुलाई, 2015 शिलांग) जिन्हें डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के नाम से जाना जाता है, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रसिद्ध वैज्ञानिक और अभियंता के रूप में विख्यात थे। उनका राष्ट्रपति कार्यकाल 25 जुलाई, 2002 से 25 जुलाई, 2007 तक रहा। उन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है। वह एक गैर राजनीतिक व्यक्ति थे। विज्ञान की दुनिया में चमत्कारिक प्रदर्शन के कारण ही राष्ट्रपति भवन के द्वार उनके लिए स्वतः ही खुल गए। जो व्यक्ति किसी क्षेत्र विशेष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है, उसके लिए सब सहज हो जाता है और कुछ भी दुर्लभ नहीं रहता। अब्दुल कलाम इस उद्धरण का प्रतिनिधित्व करते नजर आते थे। उन्होंने विवाह नहीं किया था। उनकी जीवन गाथा किसी रोचक उपन्यास के नायक की कहानी से कम नहीं है। चमत्कारिक प्रतिभा के धनी अब्दुल कलाम का व्यक्तित्व इतना उन्नत था कि वह सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदायों के व्यक्ति नजर आते थे। वह एक ऐसे स्वीकार्य भारतीय थे, जो सभी के लिए 'एक महान आदर्श' बन चुके हैं। विज्ञान की दुनिया से देश का प्रथम नागरिक बनना कपोल कल्पना मात्र नहीं है, क्योंकि यह एक जीवित प्रणेता की सत्य कथा है।

पुण्यतिथि

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

जन्म–माघ शुक्ल 11 सम्वत 1953 अथवा 21 फरवरी, 1896 ई., मेदनीपुर बंगाल; मृत्यु–15 अक्टूबर, 1961, प्रयाग) हिन्दी के छायावादी कवियों में कई दृष्टियों से विशेष महत्त्वपूर्ण हैं। निराला जी एक कवि, उपन्यासकार, निबन्धकार और कहानीकार थे। उन्होंने कई रेखाचित्र भी बनाये। उनका व्यक्तित्व अतिशय विद्रोही और क्रान्तिकारी तत्त्वों से निर्मित हुआ है। उसके कारण वे एक ओर जहाँ अनेक क्रान्तिकारी परिवर्तनों के स्रष्टा हुए, वहाँ दूसरी ओर परम्पराभ्यासी हिन्दी काव्य प्रेमियों द्वारा अरसे तक सबसे अधिक गलत भी समझे गये। उनके विविध प्रयोगों–छन्द, भाषा, शैली, भावसम्बन्धी नव्यतर दृष्टियों ने नवीन काव्य को दिशा देने में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसलिए घिसी–पिटी परम्पराओं को छोड़कर नवीन शैली के विधायक कवि का पुरातनतापोषक पीढ़ी द्वारा स्वागत का न होना स्वाभाविक था। लेकिन प्रतिभा का प्रकाश उपेक्षा और अज्ञान के कुहासे से बहुत देर तक आच्छन्न नहीं रह सकता।

कल मिलेंगे

पत्नी–क्यों जी रोज सुबह मेरे चेहरे पर पानी क्यों हो जाता है
पति–क्योंकि प्रोफाइल ने कहा था कि
मेरी बेटी फूल की तरह है इसे मुरझाने मत देना...!!!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

मंगोलिया से सामरिक साझेदारी कर मोदी ने चीन और रूस के प्रभाव को संतुलित कर दिया

भारत और मंगोलिया के बीच सहयोगी खनिज और भूविज्ञान परियोजनाएं, दोनों देशों को प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण लाभ देती हैं। मंगोलियाई राष्ट्रपति की चार दिवसीय भारत यात्रा का औपचारिक कार्यक्रम भी इस रिश्ते की गंभीरता को दशार्ता है। राष्ट्रपति ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात एवं भोज का भी उनका कार्यक्रम रहा

-नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के बीच हुई वार्ता ने भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय रिश्तों की गहराई और बहुआयामी महत्व को पुनः रेखांकित किया है। यह बैठक केवल औपचारिक कूटनीतिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामरिक संबंधों को नई ऊर्जा देने का प्रयास थी। वार्ता के दौरान दोनों देशों ने मानवतावादी सहायता, मंगोलिया में सांस्कृतिक धरोहर स्थलों के पुनरुद्धार, आव्रजन, भूविज्ञान और खनिज संसाधनों, सहकारी समितियों के विकास और डिजिटल समाधानों के साझा उपयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त, भारत और मंगोलिया के 70 वर्षों के द्विपक्षीय संबंधों की स्मृति में एक संयुक्त डाक टिकट भी जारी किया गया। ये पहलें स्पष्ट रूप से दिखाती हैं कि दोनों देशों का सहयोग अब केवल कूटनीतिक या आर्थिक नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और तकनीकी क्षेत्रों तक भी विस्तृत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत मंगोलियाई नागरिकों को मुफ्त ई-वीजा प्रदान करेगा और मंगोलिया के युवा सांस्कृतिक दूतों के वार्षिक दौरे का प्रायोजन भी करेगा। प्रधानमंत्री ने इसे सिर्फ कूटनीतिक कदम के रूप में नहीं बल्कि "आत्मिक और आध्यात्मिक" संबंधों के प्रतीक के रूप में बताया। यह ध्यान देने योग्य है कि मंगोलिया में बौद्ध धर्म के विकास में नालंदा विश्वविद्यालय का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मोदी ने नालंदा और गंदन मठ को जोड़ने की पहल का जिक्र करते हुए इस ऐतिहासिक संबंध में नई ऊर्जा लाने की बात कही।

हम आपको बता दें कि सिर्फ सांस्कृतिक सहयोग ही नहीं, भारत ने मंगोलिया के विकास में भी एक स्थायी और भरोसेमंद साझेदार के रूप में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। भारत की 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट से मंगोलिया में तेल रिफाइनरी परियोजना का निर्माण हो रहा है, जो मंगोलिया की ऊर्जा सुरक्षा को नई दिशा देगा। मंगोलियाई राष्ट्रपति ने इस परियोजना में भारत के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और डिजिटल सहयोग पर हस्ताक्षरित समझौते को भी ऐतिहासिक करार दिया। सामरिक दृष्टि से, मंगोलिया के साथ मजबूत संबंध भारत के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। मंगोलिया, चीन और रूस के बीच स्थित एक भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र है। इस क्षेत्र में स्थिर और विश्वसनीय साझेदार के रूप में भारत की मौजूदगी, चीन और रूस के प्रभाव को संतुलित करने में मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त, मंगोलिया में भारत की ऊर्जा और डिजिटल परियोजनाओं की भागीदारी न केवल आर्थिक लाभ देती है, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग को भी सुदृढ़ बनाती है। भारत और मंगोलिया के बीच सहयोगी खनिज और भूविज्ञान परियोजनाएं, दोनों देशों को प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण लाभ देती हैं। मंगोलियाई राष्ट्रपति की चार दिवसीय भारत यात्रा का औपचारिक कार्यक्रम भी इस रिश्ते की गंभीरता को दशार्ता है। राष्ट्रपति ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात एवं भोज का भी उनका कार्यक्रम रहा। उनके साथ उच्चस्तरीय मंत्रियों, सांसदों, वरिष्ठ अधिकारियों, व्यवसायिक नेताओं और सांस्कृतिक प्रतिनिधियों की टीम भी है। यह भारत-मंगोलिया संबंधों में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विमाओं के समन्वय का प्रतीक है।

देखा जाये तो भारत-मंगोलिया संबंध सिर्फ कूटनीतिक प्रोटोकॉल नहीं हैं; ये एक दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी का संकेत हैं। भारत के लिए मंगोलिया केवल एक पारंपरिक मित्र देश नहीं, बल्कि एक भू-राजनीतिक सहयोगी है, जिसके माध्यम से क्षेत्रीय स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल साझेदारी को मजबूत किया जा सकता है। साथ ही, यह साझेदारी भारत को उत्तर और मध्य एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर देती है। इस तरह, मोदी और खुरेलसुख की नई पहलें केवल वर्तमान सहयोग की पुष्टि नहीं करतीं, बल्कि भविष्य की रणनीतिक साझेदारी की नींव भी रखती हैं। मानवतावादी सहायता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, तकनीकी सहयोग और ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से भारत और मंगोलिया का संबंध अब न केवल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत प्रासंगिक हो गया है। यह यात्रा और समझौते इस ऐतिहासिक बंधन को और अधिक मजबूत और बहुआयामी बनाते हैं।

बहरहाल, भारत और मंगोलिया का रिश्ता केवल आधिकारिक या औपचारिक नहीं है; यह एक गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामरिक साझेदारी है। ऐसे रिश्ते न केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि भारत को एशिया में अपनी रणनीतिक और आर्थिक उपस्थिति मजबूत करने में भी सहायक हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सोच के स्तर पर बदल रही बिहारी राजनीति

जेपी के बाद बिहार की तकरीबन हर जातियों में जिस राजनेता की व्यापक स्वीकृति रही, वे कर्पूरी ठाकुर हैं। दिलचस्प यह है कि आज के बिहार के सत्ता पक्ष और विपक्ष के बड़े नेता हैं, सब कर्पूरी ठाकुर का नाम ही जपते हैं। यह बात और है कि कर्पूरी ठाकुर जैसी सादगी, उनके जैसी सर्वसमावेशी राजनीति की राह उनके चेलों ने नहीं अपनाई

-उमेश चतुर्वेदी

बिहार की राजनीति जाति और धर्म से कभी अलग नहीं रही। आजादी के फौरन बाद के चुनावों में जाति का असर कम रहा, क्योंकि तब स्वाधीनता संग्राम के दौरान अर्जित नैतिक मूल्यों की आभा और स्मृति बनी हुई थी। लेकिन बाद के दिनों में यह लगातार कम होता चला गया। जाति और धर्म की राजनीति तब भी होती थी, लेकिन उस पर स्वाधीन भारत को बनाने के लिए सर्वसमावेशी सोच का आवरण बना रहा। लेकिन मंडल आयोग की छाया में उभरी राजनीति के बाद जाति और धर्म का खुला-खेल शुरू हो गया। जातीय गोलबंदी खुलेआम होने लगी। बिहार के वैशाली स्थित लिच्छवी गणराज्य ने जब लोकतांत्रिक मॉडल को अपनाया था, तब शासन सौंपने वाले हाथों की योग्यता उनकी न्याय प्रियता, उनकी प्रशासनिक कुशलता और निष्पक्षता थी। इसे बिडंबना ही कहेंगे कि जिस बिहार की धरती ने छठी सदी ईसापूर्व यानी करीब ढाई हजार साल पहले शासन के बेहतरीन मॉडल को अपनाया, उसी धरती पर वैधानिकता के आधार पर लागू लोकतंत्र ने जाति, धर्म और क्षेत्रवाद को खुद में समाहित कर लिया। लेकिन इस बार के चुनावों में लोकतंत्र का जातीय और धार्मिक मॉडल को किंचित चोट पहुंचती दिख रही है।

बिहार गर्व करते नहीं अघाता कि उसकी धरती पर लोकतंत्र का जन्म हुआ। इसी लोकतंत्र की छांव में बिहार और प्रकारांतर से देश को आगे बढ़ाने का सपना जयप्रकाश नारायण ने देखा था। जब भारतीय लोकतंत्र पर आपातकाल की काली छाया पड़ी तो जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में बिहार की ही धरती ने बिगुल फूंक दिया। इस बिगुल ध्वनि को देश ने सुना और जेपी के पीछे हो लिया। जिसकी परिणति आपातकाल के काले दिनों के अंत और बाद में आपातकाल थोपने वाले हाथों यानी इंदिरा गांधी की लोकतांत्रिक हार के रूप में देश और दुनिया ने देखा। जेपी की राजनीति में जाति और धर्म का आधार नहीं था। जेपी के पीछे पहले बिहार और बाद में तकरीबन उत्तर भारत जब चल पड़ा, तब देश और धर्म की बातें पीछे छूट गई थीं। तब देश को बनाने और लोकतंत्र को बचाने के लिए हर धर्म, हर जाति और हर समूह ने अपने जातीय, धार्मिक और स्थानीय हितों को किनारे रख दिया और देश के लिए आगे चल पड़े थे। दुर्भाग्यवश उसी दौर में उभरे नेताओं ने जाति का सबसे बड़ा खेल खेला। बिहार की जातीय राजनीति को बढ़ावा देने में उसी दौर में उभरे नेताओं ने सबसे ज्यादा दिया। आज की बिहारी राजनीति के चमकते सितारे लालू यादव, नीतीश कुमार, शिवानंद तिवारी, नंद किशोर यादव, आदि उसी दौर में उभरे चेहरे हैं।

बाद के दौर में बिहार के चुनाव की चर्चा जाति और धर्म की बुनियाद को आधार बनाए असंभव मानी जाने लगी। वैसे यह रोग तकरीबन हर राज्य की राजनीति को लगा है। कहीं इसकी तासीर कम दिखती है तो कहीं कम, लेकिन यह हर जगह है। लेकिन बिहार के इस चुनाव में प्रशांत किशोर के जरिए कम से कम जातीय गोलबंदी की बात को लगाम पहुंची है। प्रशांत किशोर का चाहे सत्ता पक्ष या विपक्ष, जितना भी उपहास उड़ाने की कोशिश करे, उन्होंने बिहारी राजनीति को नया चेहरा जरूर दिया है। प्रशांत ब्राह्मण परिवार के बेटे हैं। उनकी राजनीतिक आभा से परेशान बिहार का सत्ता पक्ष भी है और विपक्ष भी। सत्ता पक्ष की बजाय विपक्ष की ओर से उन्हें ब्राह्मण बताने की कोशिश खूब हुई। लेकिन यह कार्ड चल नहीं पाया। दरअसल मंडलवाद की राजनीति के उभार के बाद सवर्णवाद की बात करने की हिम्मत भी दिखाना मुश्किल है। सवर्ण तबके की जातियां और उनके नेता अपनी जाति की बात कर लें तो उन पर जातिवादी ठप्पा लगाकर ट्रोल किया जाता रहा है। वैसे आज का जो विमर्श है, उसमें सवर्ण तबके की अपनी जाति की बात करना जातिवादी होना है और पिछड़े एवं दलित जातियों की बात करना उनका सशक्तीकरण एवं प्रगतिवाद का बेहतरीन उदाहरण माना जाता है।

जेपी के बाद बिहार की तकरीबन हर जातियों में जिस राजनेता की व्यापक स्वीकृति रही, वे कर्पूरी ठाकुर हैं। दिलचस्प यह है कि आज के बिहार के सत्ता पक्ष और विपक्ष के बड़े नेता हैं, सब कर्पूरी ठाकुर का नाम ही जपते हैं। यह बात और है कि कर्पूरी ठाकुर जैसी सादगी, उनके जैसी सर्वसमावेशी राजनीति की राह उनके चेलों ने नहीं अपनाई। बिहार की राजनीति के दोनों दिग्गज चेहरे जेपी और कर्पूरी की राजनीति में संकीर्णता का आधार नहीं नहीं था। वे जातीय गोलबंदी की बजाय सर्वसमावेशी राजनीति की बात करते थे। आज की राजनीति और सामाजिक संतुलन के लिए आरक्षण व्यवस्था की जरूरत को कर्पूरी ठाकुर स्वीकार करते थे, लेकिन उनकी आरक्षण व्यवस्था में किसी खास वर्ग को लक्षित करने और उस पर निशाना साधने का भाव नहीं था। उन्होंने आरक्षण का जो फॉमूर्ला दिया था, उसमें पिछड़ा वर्ग को बारह प्रतिशत, अति पिछड़े वर्ग को आठ प्रतिशत, महिलाओं के लिए तीन प्रतिशत और गरीब सवर्णों के लिए तीन प्रतिशत का प्रावधान किया था। चाहे लोहिया की आरक्षण को लेकर सोच रही हो या फिर कर्पूरी का मॉडल, दोनों का मकसत सामाजिक विकास की दौड़ में पीछे रहे वर्ग को आगे रहे वर्गों के समकक्ष खड़ा करना और इस तरह बराबरी का बोध लाना था। यही वजह रही कि इन नेताओं के पीछे समाज का बड़ा हिस्सा खड़ा होता था, जहां जाति और धर्म की सीमाएं टूट जाया करती थीं। इसका यह मतलब नहीं था कि तब जातीय गोलबंदी खत्म हो चुकी थी। लेकिन यह जरूर है कि ऐसा करने वाली ताकतों को बढ़ावा नहीं मिलता था। लेकिन जेपी और कर्पूरी के बाद स्थितियां बदल गईं।

बिहार के मौजूदा चुनावों में प्रशांत किशोर के अभ्युदय ने जातीय गोलबंदी की इस रूढ़ि को तोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रशांत किशोर ने अपना दल बनाने के बाद एक गलती जरूर की। उन्होंने तब जरूर कहा था कि मुस्लिम समुदाय को तरजीह देंगे। ऐसा करके वे एक तरह से धार्मिक गोलबंदी की पारंपरिक अवधारणा को जरूर शह दे रहे थे। लेकिन शायद बाद में उन्हें इस गलती का अहसास हुआ और उन्होंने इस सोच का मुजाहिरा फिर नहीं किया।

प्रशांत किशोर के बिहार की राजनीति में उभार के बाद मुद्दों की बात हो रही है। महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने का मौजूदा नीतीश सरकार का फैसला हो या फिर तेजस्वी द्वारा हर घर को एक सरकारी नौकरी देने का वादा, प्रशांत किशोर की राजनीतिक शैली का दबाव माना जा सकता है। प्रशांत किशोर बार-बार बिहार की बदहाली का सवाल उठाते हैं,वैश्विक स्तर पर मजदूर सप्लाई करने वाले राज्य के रूप में बिहार की स्थापित छवि पर सवाल उठाते हैं, बिहार को नई राह पर लेकर चलने की बात करते हैं, जाति और धर्म की बात नहीं करते हैं, बिहार की शिक्षा व्यवस्था को मुद्दा बनाते हैं तो बिहार के पढ़े-लिखे युवाओं और बिहार की मौजूदा छवि से परेशान लोगों को उनकी बात अपील करती है। पिछली सदी के साठ के दशक तक प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से देश का पांचवां बड़ा राज्य रहे बिहार की बदहाली का सवाल जब वे उठाते हैं तो बिहार का हित चाहने वाले लोगों को वह बात अपील करती है। यही वजह है कि उनके साथ हर वर्ग के लोग दिखते हैं। इसलिए बिहार की राजनीति में जाति की चर्चा पीछे छूट जाती है। खास दल के खास जातीय आधार की मान्यता के बीच से उसी जाति के बीच से जब कुछ आवाजें बिहार के पक्ष में उस दल विशेष के विरोध में उभरती हैं तो बिहार की राजनीति पर नजर रखने वालों को हैरत होती है। यह बदलाव प्रशांत किशोर की राजनीति का कमाल कहा जा सकता है।

इसका यह मतलब नहीं है कि प्रशांत किशोर के पीछे समूचा बिहार उठ खड़ा हुआ है। दकियानुसी की हद तक जाति और धर्म के खेमे में बंट चुकी बिहार की राजनीति की इस सोच में इस बार के चुनावों में खरोंच लगती दिख रही है। इस लिहाज से प्रशांत किशोर, जेपी और कर्पूरी ठाकुर की परंपरा में खड़े होते नजर आ रहे हैं। बिहार की सोच में बदलाव की यह बयार बनी रही तो तय मानिए, बिहार ही नहीं देश की राजनीति बदलने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

भारत-तालिबान संबंधों में नया मोड़: मुत्ताकी की यात्रा से खुले कूटनीतिक द्वार

(एजेन्सी)।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री और तालिबान प्रशासन के वरिष्ठ नेता आमिर खान मुत्ताकी इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। यह तालिबान सरकार का भारत में पहला आधिकारिक दौरा है, जिसे कूटनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। बता दें कि अगस्त 2021 में अमेरिका की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद भारत ने अपनी राजधानी काबुल स्थित दूतावास बंद कर दिया था और अपने सभी राजनयिकों को वापस बुला लिया था।

गौरतलब है कि चार साल बाद भारत ने तालिबान प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए रिश्तों में नई शुरूआत का संकेत दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मुत्ताकी ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की, जिसमें भारत ने काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलने की घोषणा की है। दोनों देशों ने साझा बयान जारी करते हुए आपसी सहयोग बढ़ाने, व्यापार को प्रोत्साहित करने और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने की बात कही है। मुत्ताकी ने भारत को करीबी दोस्त बताते हुए भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान के खनन क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। इस बीच, उन्होंने ऐलान किया कि जल्द ही काबुल और भारत के प्रमुख शहरों जैसे अमृतसर के बीच सीधी उड़ानें शुरू की जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने मुत्ताकी के दौरे में उनके लिए उत्तर प्रदेश के देवबंद स्थित दारुल उलूम जाने की भी व्यवस्था की है, जो दक्षिण एशिया का एक प्रमुख इस्लामी शिक्षा केंद्र है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का यह कदम व्यावहारिक नीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह पाकिस्तान के प्रभाव को कम करने और अफगानिस्तान के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। बता दें कि पाकिस्तान और तालिबान के बीच हाल के वर्षों में रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर सीमा पार हमलों को लेकर। इस बदले हुए क्षेत्रीय समीकरण में भारत ने तालिबान से संवाद बढ़ाने को अहम रणनीतिक फैसला माना है।

दिवाली–छठ पूजा पर घर जाना हुआ आसान, पटना से 166 अतिरिक्त उड़ानें शुरू

(एजेन्सी)।

भारत की प्रमुख विमानन कंपनियाँ और टाटा संस की सहायक कंपनी एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मंगलवार को दिवाली और छठ पूजा के आसपास बढ़ती त्योहारी माँग को पूरा करने के लिए पटना से और पटना के लिए 166 अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइन के बयान के अनुसार, एयर इंडिया 15 अक्टूबर से 2 नवंबर तक पटना और दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के बीच 38 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस पटना और दिल्ली तथा बेंगलुरु के बीच क्रमशः 26 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी।

टाटा एयरलाइंस के बयान में कहा गया है कि नई उड़ानें एयरलाइन की दिल्ली और मुंबई से पटना के लिए 42 साप्ताहिक उड़ानों के मौजूदा शेड्यूल का पूरक होंगी। इसके अलावा, एयर इंडिया एक्सप्रेस दिल्ली और बेंगलुरु से पटना के लिए 14 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है, जिससे इस व्यस्त अवधि के दौरान यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होता है। ये अतिरिक्त उड़ानें पटना तक पहुँच बढ़ाने और त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों के लिए यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए डिजाइन की गई हैं। बयान के अनुसार, ये उड़ानें दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु होते हुए देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ मध्य पूर्व और यूरोप के गंतव्यों तक निर्बाध संपर्क की सुविधा प्रदान करेंगी।

बयान में कहा गया है कि अतिरिक्त उड़ानों की बुकिंग एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की आधिकारिक वेबसाइटों और मोबाइल ऐप, 24/7 संपर्क केंद्रों, शहर और हवाई अड्डे के टिकट कार्यालयों और दुनिया भर के ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से की जा सकती है। इस बीच, एयर इंडिया एक्सप्रेस 26 अक्टूबर को अगरतला और बागडोगरा के बीच एक सीधी उड़ान सेवा शुरू करने जा रही है, जो राज्य की राजधानी को उत्तर बंगाल से जोड़ेगी और दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, मिरिक और सिक्किम जैसे लोकप्रिय स्थलों तक निर्बाध पहुँच प्रदान करेगी। यह सेवा शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम की शुरूआत के साथ शुरू होगी, जो त्रिपुरा की विमानन कनेक्टिविटी में एक नया अध्याय लिखेगी।

मेडागास्कर में नाटकीय मोड़, अविश्वास प्रस्ताव से पहले राष्ट्रपति ने संसद की भंग

(एजेन्सी)।

मेडागास्कर के राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने संसद के निचले सदन को भंग कर दिया है, जिससे युवाओं के नेतृत्व वाले प्रदर्शनकारियों और सेना के साथ गतिरोध बढ़ गया है, जिसके कारण उन्हें द्वीप छोड़कर भागना पड़ा। फेसबुक पर जारी राष्ट्रपति के आदेश में कहा गया है कि 51 वर्षीय राजोइलिना ने नेशनल असेंबली और उच्च सदन सीनेट के नेताओं से परामर्श किया था, लेकिन उनके इस कदम की वैधता स्पष्ट नहीं है। राजोइलिना ने अपने इस्तीफे की मांग को लेकर कई हफ़्तों से चल रहे जनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों और सेना में व्यापक दलबदल के बावजूद पद छोड़ने से इनकार कर दिया।

मेडागास्कर राष्ट्रपति कार्यालय के फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए बयान के अनुसार, राजोइलिना ने नेशनल असेंबली को तत्काल भंग करने का आदेश जारी किया। राजोइलिना का ठिकाना अज्ञात है। इससे पहले एक विशिष्ट सैन्य इकाई ने सप्ताहांत में युवाओं के नेतृत्व वाले सरकार विरोधी प्रदर्शनों में भाग लिया था और उनसे पद छोड़ने का आह्वान किया था। राष्ट्रपति ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर प्रसारित एक भाषण में कहा कि उन्होंने अपनी जान के डर से देश छोड़ दिया है। राष्ट्रपति ने देर रात अपने भाषण में कहा कि मुझे अपने जीवन की रक्षा के लिए सुरक्षित स्थान खोजने पर मजबूर होना पड़ा। सैन्य इकाई कैपसैट के तख्तापलट के प्रयासों और राजधानी अंतानानारिवो के एक मुख्य चौक पर हजारों प्रदर्शनकारियों के साथ रैली में शामिल होने के बाद राजोइलिना की यह पहली सार्वजनिक टिप्पणी थी। राष्ट्रपति ने इन हालात से बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए बातचीत का आह्वान किया और कहा कि संविधान का सम्मान किया जाना चाहिए।

5 लाख की आबादी वाले देश ने रचा इतिहास, फीफा वर्ल्ड कप के लिए किया क्वालीफाई

(एजेन्सी)।

महज 5 लाख की आबादी वाले अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित छोटे से देश केप वर्डे ने इतिहास रच दिया है। केप वर्डे ने इस्वातिनी को 3-0 से हराकर पहली बार 2026 फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ये पहली बार होगा जब केप वर्डे की टीम वर्ल्ड कप खेलेगी। केप वर्डे की ओर से डेलॉन लिव्रामेंटो ने 48वें मिनट में पहला गोल दागा। इसके बाद विली सेमेडो ने 54वें मिनट में बढ़त को दोगुना किया और स्टोपिरा ने इंजरी टाइम में तीसरा गोल दागा। मैच खत्म होने के बाद मैदान पर स्टैंड्स दोनों में जश्न का माहौल था।

बता दें कि, केप वर्डे अफ्रीकी क्वालीफायर के ग्रुप डी में टॉप पर रहा और महाद्वीप से मिलने वाले नौ सीधे टिकटों में से एक हासिल किया। जनसंख्या के लिहाज से केप वर्डे अब आइसलैंड के बाद वर्ल्ड कप खेलने वाला दूसरा सबसे छोटा देश बन गया है। केप वर्डे की आबादी 5 लाख से थोड़ी ही ज्यादा होगी। लेकिन कैमरून के न जीतने की स्थिति में हार के बावजूद भी व क्वालीफाई कर सकता था। केप वर्डे ने ग्रुप में कैमरून से चार अंक ज्यादा हासिल किए। कैमरून को अंगोला के खिलाफ 0-0 की बराबरी से संतोष करना पड़ा।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने वीडियो संदेश में कहा कि क्या ऐतिहासिक पल है। केप वर्डे को पहली बार फीफा वर्ल्ड कप में जगह बनाने पर बधाई। आपक झंडा अब दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल मंच पर लहराएगा। उन्होंने आगे कहा कि हाल के वर्षों में फुटबॉल के विकास के लिए आपका प्रयास शानदार रहा है। अब आपके सितारे वैश्विक मंच पर चमकेंगे और नई पीढ़ी को प्रेरित करेंगे।

फीफा के अनुसार, केप वर्डे के मैच के टिकट रिकॉर्ड समय में बिक गए और सरकार ने मैच देखने के लिए देशभर में आधे दिन की छुट्टी घोषित की थी। बता दें कि, 2026 फीफा वर्ल्ड कप अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में आयोजित होगा जिसमें पहली बार 48 टीमें भाग लेंगी।

जूते पहनने के आरोप पर भड़कीं सोनाक्षी सिन्हा

(एजेन्सी)। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल कुछ दिनों से अबू धाबी में छुट्टियां मना रहे हैं। इस अभिनेता ने हाल ही में शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का भी दौरा किया। दबंग अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मस्जिद की अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा कीं। हालाँकि, कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आया और उन्होंने उन पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर सोनाक्षी को धार्मिक स्थल के अंदर जूते पहनने पर ट्रोल किया गया। अभिनेत्री ने भी ट्रोल को करारा जवाब दिया और कमेंट सेक्शन में करारा जवाब दिया। तस्वीरें शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा, "यहाँ अबू धाबी में थोड़ा सा सुखन मिला!" कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, "जूतों के सात मस्जिद में जाना बहुत बड़ा गुनाह है।" सोनाक्षी ने टिप्पणी को अनदेखा नहीं किया और लिखा, "इसीलिए जूतों के सात अंदर नहीं गए। ध्यान से देखो, मस्जिद के बाहर ही हैं हम। अंदर जाने से पहले उन्हें हमने जूते रखने की जगह दिखाई और उतार दिए। इतना तो हमें भी आता है। चलिए, अब आगे बढ़िए। (इसलिए हम जूते पहनकर अंदर नहीं गए। ध्यान से देखो, हम मस्जिद के ठीक बाहर हैं। अंदर जाने से पहले, उन्होंने हमें दिखाया कि हमें अपने जूते कहाँ रखने हैं, और हमने उन्हें उतार दिया। अब, चलो आगे बढ़ते हैं)। मामले पर सफाई देते हुए सोनाक्षी ने कहा कि वह उस वक्त यानी कि जब तस्वीरें क्लिक की जा रही थीं, वह मस्जिद के अंदर नहीं थीं। अनुचित ट्रोलिंग का जवाब देते हुए, उन्होंने टिप्पणियों में लिखा, "इसीलिए जूतों के साथ अंदर नहीं गए। ध्यान से देखो मशीद के बाहर ही हैं हम। अंदर जाने से पहले उन्हें हमने जूते रखने की जगह दिखाई और उतार दिए। इतना तो हमें भी आता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए स्वदेश लौटे विराट कोहली

(एजेन्सी)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्तूबर से वनडे सीरीज का आगाज होने जा रहा है। उससे पहले टीम इंडिया के सीनियर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भारत लौट आए हैं। जहां से वो टीम इंडिया के अन्य खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे। कोहली को मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर देखा गया जहां उनका स्वागत जोरों-शोरों से हुआ। एयरपोर्ट पर विराट कोहली काली शर्ट और व्हाइट पैंट में नजर आए साथ ही इस दौरान उनका लुक भी काफी बदला हुआ दिखा। कोहली जैसे ही दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचे वैसे ही फैंस उनके लिए दीवाने से हो गए। इसी कारण उनकी ब्लैक शर्ट और सफेद ट्राउजर वाली फोटो को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। बता दें कि, आईपीएल 2025 के खत्म होने के बाद विराट कोहली अपने परिवार संग लंदन चले गए। इसी बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। फिलहाल, टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर दो जत्थों में रवाना होगी। बताया गया कि कुछ खिलाड़ी सुबह और बाकी खिलाड़ी शाम को ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट पकड़ेंगे।

पालिका अध्यक्ष फातमा रजा ने 53 लाख के दो जेसीबी लोडर को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बड़े नालों और छोटी नालियों की सफाई अब होगी आसान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन

बदायूं। नगर पालिका परिषद की ओर से स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए मंगलवार को पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने 53 लाख की लागत से खरीदे गए दो जेसीबी लोडर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पालिकाध्यक्ष ने कहा कि बड़े नालों और नालियों की सफाई भी अधिक सुचारू रूप से की जा सकेगी। पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने कहा कि नगर की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है, और इसके लिए हर संभव संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

दो जेसीबी लोडर के माध्यम से नालों की सफाई के कार्य में तेजी आएगी। साथ ही कूड़े के ढेर उठाने में राहत मिलेगी। इस मौके पर सभासद अबरार, कार्यालय अधीक्षक खालिद अली, राजस्व निरीक्षक लवी कुमार, राजस्व निरीक्षक राजेन्द्र सिंह, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मोहम्मद तय्यव एवं सफाई निरीक्षक केशव गंगवार, शरीफ अहमद, रजनेश चन्द्र, महेश बाबू, निर्माण लिपिक सचिन सक्सेना, नवैद इकबाल गनी, सुमित सिंह, मनोज सोनकर, इमरान समेत पालिका के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

पंजाब को बाढ़ के प्रकोप से बचाने के लिए रावी, सतलुज और ब्यास दरियाओं की होगी सफाई: हरपाल सिंह चीमा

दिड़बा के लिए दिवाली के तोहफे के रूप में 11.46 करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्टों की घोषणा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/दिड़बा। पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने घोषणा की कि पंजाब सरकार राज्य को बाढ़ के खतरे से स्थायी रूप से सुरक्षित करने के लिए बेहद गंभीर है। इस उद्देश्य के लिए रावी और सतलुज दरियाओं के पंजाब क्षेत्र के हिस्सों की सफाई, गहराई और चौड़ाई बढ़ाने की योजना बनाई गई है, जबकि रामसर साइट मनोनीत ब्यास दरिया की सफाई के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मांगी गई है। दिड़बा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री चीमा ने वर्ष 2023 और 2025 में आई बाढ़ से पंजाब को हुए भारी नुकसान को उजागर किया और इस बात पर जोर दिया कि दीर्घकालिक बाढ़ से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दरियाओं की सफाई बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ब्यास दरिया के 28 स्थानों की पहचान की गई है जिन्हें तत्काल सफाई की जरूरत है और केंद्र सरकार से इस पहल के लिए अधिकतम सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

श्री चीमा ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) में हिमाचल प्रदेश और राजस्थान को स्थायी सदस्यता देने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे पंजाब के लोगों के साथ अन्याय करार दिया। उन्होंने कहा कि इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पंजाब सरकार किसी भी अन्य राज्य को बीबीएमबी पर नियंत्रण नहीं करने देगी।

श्री चीमा ने अपने दिड़बा विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को 11.46 करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्टों का नींव पत्थर रखकर और विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन कर दिवाली का तोहफा दिया। इनमें छाजली गांव में 2.5 करोड़ रुपये की नहरी जल परियोजना शामिल है, जिसके तहत भूमिगत जल स्तर में गिरावट के कारण बंद पड़े ट्यूबवेलों की समस्या का समाधान करते हुए 13 किलोमीटर पाइपलाइन के माध्यम से किसानों के खेतों को नहरी पानी की सुविधा मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, 8.81 करोड़ रुपये की लागत से 17.35 किलोमीटर सड़कों पर कार्य शुरू हो चुका है, जिसमें ढंडियाल से पातरां तक 4 किलोमीटर सड़क के हिस्से को 18 फीट चौड़ा करना और ढंडियाल से हरियाऊ (4.25 किमी), ढंडियाल से शादीहेड़ी (3.10 किमी), ढंडियाल से चुनग्गरा (3 किमी) और खेतला से काकूवाला (3 किमी) तक नई सड़कों का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने मैदेवास गांव में अनुसूचित जाति समुदाय के लिए 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित एक धर्मशाला भी जनता को समर्पित की।

विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए श्री चीमा ने दोहराया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार पिछले साढ़े तीन वर्षों से राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछली सरकारों की गलत नीतियों ने राज्य की प्रगति में बाधा डाली थी। वर्तमान सरकार विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना पूरी ईमानदारी से जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि ठेकेदार पांच वर्षों तक गांवों की नई सड़कों का रखरखाव करेंगे। श्री चीमा ने क्षेत्र के निवासियों से अपील की कि वे परियोजनाओं की संतोषजनक पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए इनकी निगरानी करें।

इन कार्यक्रमों में एसडीएम दिड़बा राजेश कुमार शर्मा, प्रीतम सिंह पीतू (चेयरमैन, इंप्रूवमेंट ट्रस्ट, संगरूर), तपिंदर सिंह सोही (वित्त मंत्री के ओएसडी), जसवीर कौर शेरगिल (चेयरपर्सन, मार्केट कमेटी, दिड़बा) तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

कफ सीरप के नमूने लेकर जांच हेतु भेजे लैब

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन

बदायूँ। जनपद-आगरा में पायी गयी नकली दवाओं एवं कफ सीरप जिससे बच्चों की मृत्यु हुई, के प्रकरण में औषधि निरीक्षक लवकुश प्रसाद द्वारा मंगलवार को जिले के मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की कार्यवाही की गई। साथ ही उपरोक्त मेडिकल स्टोरों के क्रय-विक्रय बीजकों की गहन जांच की गयी। उक्त नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्ति उपरान्त विधिक कार्यवाही की जायेगी।

औषधि निरीक्षक लवकुश प्रसाद ने बताया कि मंगलवार को मेसर्स राजीव कुमार रजत कुमार, सीएचसी के सामने, स्टेशन रोड मोहल्ला श्री नारायनगंज उझानी, थाना कोतवाली जनपद-बदायूँ उ०प्र० से 02 नमूनें (01 कफ-सीरप) एवं मेसर्स पूजा मेडिकल स्टोर, रेलवे रोड, उझानी, थाना-कोतवाली उझानी, जनपद-बदायूँ से 03 नमूना (02 कफ-सीरप) संदेह के आधार पर गहन निरीक्षण उपरान्त संग्रहीत कर राजकीय प्रयोगशाला को भेजा गया।

सभी बेटियां जीवन में बनें स्वावलम्बी: एडीजे

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन

बदायूँ। उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुक्रम में एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के निर्देशानुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा मंगलवार को मिशन शक्ति, फेज 5.0 के अन्तर्गत एवं महिला सशक्तिकरण के विषय पर विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का आयोजन महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिल्सी बदायूँ में आयोजित किया गया।

शिविर का शुभारम्भ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शिव कुमारी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर हास्य कला प्रदर्शन के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिल्सी बदायूँ पंचम सेमेस्टर की छात्रा आभा वर्मा द्वारा मॉ सरस्वती वन्दना व स्वागत गायन की प्रस्तुति कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया साथ ही प्राचार्य, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिल्सी बदायूँ डॉ० पंकज कुमार द्वारा ए०डी० जे०/सचिव, जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण, बदायूँ को पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

इसके अतिरिक्त महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिल्सी बदायूँ की छात्रा आभा के विगत वर्ष में शिक्षा अध्ययन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्रायें वैष्नों देवल, लायबा, सरिता, मुस्कान, साहिबा एवं महिमा भारती को ए०डी० जे०/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ, शिव कुमारी द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा विलक्षण प्रतिभाओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उच्च अध्ययन हेतु प्रोत्साहित किया।

शिविर में असिस्टेन्ट, एल०ए०डी०सी०/जि०वि० से०प्रा०, बदायूं, कशिश सक्सेना, द्वारा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं के विधिक अधिकारों से सम्बन्धित एवं 3 नये कानूनों, पर्यावरण अधिनियम, उपभोक्ताओं के अधिकारों के बारे में एवं भारतीय संविधान में वर्णित अनुच्छेद-14, अनुच्छेद-15 एवं अनुच्छेद 21 व 21ए, अनुच्छेद 32 अनुच्छेद 36, अनुच्छेद 222 एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न टोल फ्री नम्बर 112, 1090, 1076, 15100 इत्यादि के बारे में विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला गया। कार्यकम के प्रारम्भ में जिला प्रोबेशन कार्यालय की तरफ से छवि वैश्य द्वारा अपने वक्तव्य में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रहीं विभिन्न प्रकार की योजनाओं एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न टोल फ्री नम्बर 181, 1090, 1098, 112 के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।

उक्त शिविर में थानाध्यक्ष, थाना क्रायम ब्रान्च, बिल्सी, बदायूँ, विनोद कुमार द्वारा अपने वक्तव्य में कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए मां काली एवं तुलसी दास जी का जिक किया एवं केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रहीं विभिन्न प्रकार की योजनाओं व संचालित टोल फ्री नम्बर 181, 1930 के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।

उक्त कार्यक्रम का संचालनकर्ता डॉ पारूल रस्तोगी द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में प्राचार्य, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिल्सी बदायूँ डॉ० पंकज कुमार व विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं का स्टाफ/पराविधिक स्वयं सेवकगण आदि उपस्थित रहे। इसके उपरान्त शिविर के अध्यक्ष की अनुमति से उक्त शिविर का समापन किया गया।

खानपुर थानाध्यक्ष ने फरार चल रहे एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने गिरफ्तार अभियुक्त को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के बछौली गाँव में छापामारी कर समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत-NBW वारंट जिसका ST-न0 168/2008 में फरार चल रहे अभियुक्त (1) रामबाबू महतो पिता भोला महतो-ग्राम-बछौली-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त रामबाबू महतो-पिता-भोला महतो-ग्राम-बछौली जो समस्तीपुर न्यायालय के ST-168/2008 से फरार रहने के कारण अभियुक्त के विरूद्व समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत NBW वारंट निकला था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के साथ बीती अभियुक्त रामबाबू महतो-ग्राम-बछौली-थाना खानपुर को घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। जिसे गिरफ्तारी कागजात

तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जैसलमेर बस दुखांतिका पर जताया गहरा शोक, सूचना मिलते ही घटनास्थल थईयात पहुंचे

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जैसलमेर में बस में आग लगने से हुई दुर्घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। हृदयविदारक घटना की सूचना प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री विशेष विमान से जयपुर से जैसलमेर पहुंचे, जहां उन्होंने अधिकारियों से घटना की विस्तृत जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने थईयात आर्मी एरिया में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने दुर्घटनाग्रस्त बस का निरीक्षण भी किया। इस दौरान शर्मा ने आर्मी के अधिकारियों, जवानों एवं स्थानीय नागरिकों को बचाव एवं राहत कार्यों के लिए धन्यवाद दिया।

शर्मा ने दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में राज्य सरकार परिजनों के साथ खड़ी हैं।

शर्मा जोधपुर पहुंचे, जहां उन्होंने महात्मा गांधी अस्पताल में बर्न यूनिट में भर्ती घायलों की कुशलक्षेम पूछी और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मुख्यमंत्री ने घायलों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढ़स बंधाया। उन्होंने घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से प्रत्येक मरीज की चिकित्सकीय रिपोर्ट, जलन का प्रतिशत, उपचार पद्धति और आवश्यक संसाधनों की जानकारी विस्तार से प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि जरूरत पड़ने पर बर्न स्पेशलिस्ट टीमों को तत्काल बुलाया जाए। साथ ही, शर्मा ने बर्न यूनिट में वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, इंटेंसिव केयर बेड्स और आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी भी ली। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों को निर्देश दिया कि हर मरीज के लिए विशेष चिकित्सकीय

निगरानी दल (डेडिकेटेड डॉक्टर और नर्स) तैनात किया जाए ताकि 24 घंटे मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घायल के परिजन को अस्पताल में ठहरने, भोजन व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

इस दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, विधायक महंत प्रतापपुरी, रविन्द्र सिंह भाटी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आशीर्वाद योजना के तहत 16 जिलों के 1718 लाभार्थियों को मिलेगा लाभ

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा आशीर्वाद योजना के तहत चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में पिछड़ी जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के 1718 लाभार्थियों के लिए 8.76 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि आशीर्वाद योजना के तहत जिला बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट, फिरोजपुर, श्री फतेहगढ़ साहिब, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, मोगा, श्री मुक्तसर साहिब, पटियाला, रूपनगर, एस.ए.एस. नगर, एस.बी.एस. नगर, संगरूर और मालेरकोटला के कुल 1718 लाभार्थियों की आवेदन प्राप्त हुए थे। इन सभी को कवर करने के लिए 8.76 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि बरनाला के 7, बठिंडा के 171, फरीदकोट के 14, फिरोजपुर के 46, श्री फतेहगढ़ साहिब के 61, गुरदासपुर के 344,होशियारपुर के 23, जालंधर के 174, मोगा के 163, श्री मुक्तसर साहिब के 42, पटियाला के 148, रूपनगर के 154, एस.ए.एस. नगर के 52, एस.बी.एस. नगर के 123, संगरूर के 101 और मालेरकोटला के 95 लाभार्थियों को लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा कि आशीर्वाद योजना के तहत कम आय वाले परिवारों की लड़कियों के विवाह के लिए 51,000 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक पंजाब का स्थायी निवासी होना चाहिए, परिवार गरीबी रेखा से नीचे होना चाहिए, और वार्षिक आय 32,790 रुपये से कम होनी चाहिए। ऐसे परिवारों की दो बेटियां तक इस योजना का लाभ ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय सहायता की भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डी.बी.टी. के माध्यम से की जाती है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार हर वर्ग के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार जहाँ अन्य वर्गों की भलाई के लिए काम कर रही है, वहीं अनुसूचित जातियों, पिछड़ी जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की भलाई के लिए भी लगातार प्रयासशील है।

आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करने राज्य सरकार प्रतिबद्ध: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत मिशन के माध्यम से विश्व में एक महत्वपूर्ण विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पाद अपनाकर और भारतीय उद्यमियों और कारीगरों का समर्थन कर हम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समन्वय भवन भोपाल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारत में व्यापार व्यवसाय समृद्ध रहा है। अनुशासित जीवन पद्धति जियो और जीने दो के विचार का अनुसरण करने के

परिणाम स्वरूप भारतीय समाज सदैव पुष्पित पल्लवति होता रहा है। समाज में विद्यमान धमार्दा की परम्परा से शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी जनकल्याण गतिविधियों का संचालन होता था। पिछली सरकारों की लाइसेंस, कोटा, परमिट जैसी नीतियों से देश की मुद्रा का अवमूल्यन हुआ और समाज द्वारा संचालित व्यवस्थाओं में भी शासकीय हस्तक्षेप के दुष्परिणाम सामने आने लगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपई ने अपने अतीत को गौरव के साथ देखने की दृष्टि दी और संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण देकर भारतीय बौद्धिक सामर्थ्य को विश्व में स्थापित किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और पहल से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख और आर्थिक सामर्थय स्थापित हुई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी किसानों के हितैषी होने के साथ ही मजदूरों, व्यापारियों सहित सभी वर्गों के हित चिंतक हैं। उनके मार्गदर्शन में व्यापार-व्यवसाय और कर व्यवस्था में लागू सरल और पारदर्शी नीतियों ने आम आदमी के जीवन को सुगम बनाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश में उद्योग तथा निवेश गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए जारी गतिविधियों से स्वदेशी को बल मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगामी दिनों में आ रहे त्यौहारों में स्वदेशी सामग्री का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए उपस्थित जनसमुदाय को प्रेरित किया।

इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत की लक्ष्य प्राप्ति के लिए स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाई गई। इसमें नागरिकों को अपने दैनिक जीवन में अधिकतम भारतीय उत्पादों का उपयोग करने, आयातित वस्तुओं की जगह देसी विकल्प अपनाने, घर,काम और समाज में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने और गांव, किसान तथा कारीगरों का समर्थन कर स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई गई।

विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने किया दो करोड़ 15 लाख से अधिक के विकास कार्यों का शुभारंभ

■ शहर होगा स्वच्छ, सुंदर और हरित, सफाई को आदत बनाएं: विधायक कबीरपंथी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने सोमवार को दो करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र में स्वच्छ, सुंदर और हरित वातावरण स्थापित होगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सफाई को आदत में शामिल करें, क्योंकि किसी भी अभियान की सफलता जनता की भागीदारी पर निर्भर करती है।

विधायक ने वार्ड नंबर 7 के पोल्ट्री क्षेत्र स्थित डंपिंग ग्राउंड में कूड़े के वैज्ञानिक निस्तारण कार्य का शुभारंभ किया। इस कार्य पर 90 लाख रुपये खर्च होंगे। कचरे के निपटान के बाद लगभग 7,500 वर्ग मीटर भूमि को समतल किया जाएगा और प्लांट के माध्यम से कूड़े का पृथक्करण किया जाएगा। इससे डंपिंग ग्राउंड के आसपास के लोगों को लंबे समय से चली आ रही प्रदूषण की समस्या से राहत मिलेगी। इसके अलावा, श्री कबीरपंथी ने शहर के 20 से अधिक पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं नवीनीकरण कार्य की भी शुरूआत की, जिस पर एक करोड़ 10 लाख रुपये से अधिक खर्च होंगे। यह कार्य छह महीने में पूरा किया जाएगा। उन्होंने गोल मार्केट में लगने वाले फव्वारे के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया, जिसकी लागत 15 लाख रुपये है।

विधायक ने कहा कि वे अपने हलके के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्यरत हैं। लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए हर नागरिक को अपना योगदान देना होगा।

इस अवसर पर नगर पालिका सचिव डॉ. राहुलदास, चेयरपर्सन सनमीत कौर, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश भारती, मार्केट कमेटी चेयरमैन शिवनाथ कपूर, जयभगवान सीकरी, राजवीर शर्मा, लवली कुकरेजा, चमेल सिंह, साहिल वर्मा और बलकार सैनी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिजली चोरी में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी: अनिल विज

संजना भारती संवाददाता

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अब पेडों की शाखाओं की वजह से होने वाले बिजली के व्यवधान की दिक्कत को दूर किया जाएगा और इस संबंध में व्यापक अभियान चलाकर पेडों की कटाई व छंटाई करवाई जाएगी, ताकि तेज-हवाओं और ऊंचे व लंबे पेडों की शाखाओं की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित न हो।

श्री विज ने कहा कि यह अभियान पूरे हरियाणा में चलाया जाएगा और इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाएंगें। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए जाने वाले अभियानों में भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री विज यहां चण्डीगढ में यूटी गेस्ट हाउस में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अपूर्व कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रकार के ओवर लोडेड ट्रांसफार्मरों को बदला जाए और सभी प्रकार की ओवर लोडेड कंडक्टरों का भी अपग्रेडेशन किया जाए। इस पर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस संबंध में कार्य किया जा रहा है और शेष बचे हुए स्थानों पर यह कार्य जल्द पूरा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाईन लोजिस को ओर कम करना है ताकि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापरक बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाई जा सकें।

कैबिनेट मंत्री श्री अनिल विज ने अधिकारियों से कहा कि ट्रांसफार्मर के लिए एक अलग से बैंक भी बनाकर रखें ताकि खराब ट्रांसफार्मर को तुरंत बदला जा सकें। उन्होंने कहा कि मेंनटेंस टीम में पर्याप्त संख्या में स्टाफ की तैनाती होनी चाहिए क्योंकि स्टाफ की कमी के चलते समय पर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होने में बाधा आती है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मेंटनेंस स्टाफ के पास पूरी तरह से सुरक्षा उपकरण होने चाहिए। मेंटनेंस टीम का स्टाफ बिना सुरक्षा उपकरणों के खंभों पर नहीं चढना चाहिए। श्री विज ने शिकायत केन्द्र को पुख्ता रूप से संचालित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा कि राज्य के सभी कॉल सेंटर सुचारू रूप से संचालित होने चाहिए। सभी बिजली के कार्यालयों में शिकायत केन्द्र के नंबर इत्यादि डिस्पले किए जाने चाहिए। श्री विज ने अधिकारियों से कहा कि हम सभी को मिलकर बिजली विभाग की छवि को निखारना है ताकि शेयर मार्किट में हमारी बिजली कंपनियों की लिस्टिंग की जा सकें।

श्री विज ने अधिकारियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि त्यौहारी सीजन चल रहा है और आने वाले दिनों में दीपावली आ रही है। दीपावली के दिन सभी सर्कल के अधिकारी व वरिष्ठ अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि दीपावली के दिन बिजली आपूर्ति प्रभावित न हो।

ऊर्जा मंत्री ने सबस्टेशन/पावर हाउस को बारिश के पानी अथवा जलभराव से बचाव के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अगली बरसातों के सीजन से पहले-पहले ऐसे सभी सबस्टेशन एवं पावर हाउस के लेवल को ऊपर उठाया जाए, ताकि इस समस्या का हल हो। बैठक के दौरान म्हारा गांव-जगमग गांव योजना की प्रगति के संबंध में भी ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों से जानकारी हासिल की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, राजौंद में सफल पीटीएम सह विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

■ अभिभावक-शिक्षक संवाद और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर रहा विशेष फोकस

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, राजौंद में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) के साथ एक भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। इस दोहरे आयोजन ने न केवल अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया, बल्कि छात्रों की वैज्ञानिक प्रतिभा और रचनात्मकता को भी उजागर किया।

नवाचार व रचनात्मकता का प्रदर्शन: स्कूल परिसर में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित विषयों पर आधारित मॉडलों और प्रोजेक्ट्स में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रमुख आकर्षण रहे: सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, रोबोटिक्स, स्मार्ट सिटी मॉडल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर आधारित अभिनव और क्रियाशील मॉडल।

छात्रों ने अपने प्रोजेक्ट्स की कार्यप्रणाली अभिभावकों व शिक्षकों को विस्तार से समझाई, जो उनकी वैज्ञानिक समझ और प्रस्तुति कौशल को दर्शाती है।

अभिभावकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों और शिक्षकों के मार्गदर्शन की प्रशंसा की तथा विद्यालय की इस पहल को सराहा, जो छात्रों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करती है।

पीटीएम में शैक्षणिक प्रगति पर खुलकर चर्चा: विज्ञान प्रदर्शनी के साथ-साथ आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक में छात्रों की शैक्षणिक प्रगति और व्यक्तिगत विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। शिक्षकों ने प्रत्येक छात्र के रिपोर्ट कार्ड और कक्षा में सहभागिता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। शैक्षणिक लक्ष्यों, सुधार के क्षेत्रों और गृहकार्य की आदतों पर सार्थक सुझावों का आदान-प्रदान हुआ। स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों से बच्चों के समग्र विकास में निरंतर सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया।

■ छात्रों ने दिखाया नवाचार और रचनात्मकता का संगम

प्रबंधक का संदेश: केवल किताबी ज्ञान नहीं, सोचने की शक्ति विकसित करना हमारा उद्देश्य।

इस अवसर पर, स्कूल के प्रबंधक वीर करण सिंह ने कहा-'हमारा उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों में आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को विकसित करना है। यह विज्ञान प्रदर्शनी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।' उन्होंने आगे कहा कि पीटीएम और प्रदर्शनी की सफलता छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के मजबूत तालमेल का प्रतीक है।

स्कूल प्रबंधन ने प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन एक बार फिर बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, राजौंद की गुणात्मक शिक्षा और समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

बच्चे भविष्य के कर्णधार: महापौर रेनू बाला गुप्ता

■ बाल दिवस-2025 के उपलक्ष में बाल भवन में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, चंडीगढ़ के निर्देशानुसार एवं उपायुक्त उत्तम सिंह के कुशल मार्गदर्शन में जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल दिवस-2025 के उपलक्ष में मंगलवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभआरंभ नगर निगम की महापौर रेनू बाला गुप्ता द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। इस मौके पर जिला बाल कल्याण अधिकारी मंजू चैधरी ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्यातिथि महोदया का स्वागत किया।

इस अवसर पर महापौर रेनू बाला गुप्ता ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चे भविष्य के कर्णधार है और बच्चों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण अधिकारी मंजू चैधरी ने बताया कि आज जिला के 48 स्कूलों के 512 बच्चों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया हैं। आज के कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। इनमें समूह नृत्य, एकल गायन, देशभक्ति समूह गायन, फन गेम्स, (लड़के एवं लडकियां), बेस्ट ड्रामेबाज, स्केचिंग ऑन दा स्पॉट, दिया कैंडल सज्जा, क्ले मॉडलिंग एवं प्रश्नोतरी शामिल है।

आयोजित प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में राज्य कवि भारत भूष, संतोष बक्शी, शिवाली राज, हरजिंदर, परवीन शर्मा, अशोक कुमार, रीति, सुनीता पसरीचा, सुभाष चंद, कर्मबीर हरी, निधि गुप्ता, सुनीता राठी, मीना, दीपिका कक्कड़ शामिल रहे।

इस मौके पर बाल भवन का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 36 लाभार्थियों को आवंटित किए प्लॉट

■ हर व्यक्ति के सिर पर छत मुहैया करवाना हरियाणा सरकार का लक्ष्य-सीईओ जिलापरिषद सुरेश राविश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना (एमएमएजीएवाई 2.0) के तहत जिले के नौच ग्राम पंचायत के 36 लाभार्थियों को मंगलवार को जिला परिषद के हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ऑनलाइन ड्रा द्वारा प्लॉट आवंटित किए गए। प्लाटों का आबंटन फेज दो के तहत किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया।

सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के फेस-2 के तहत नौच ग्राम पंचायत में कुल 90 लाभार्थी पात्र थे, इनमें से 36 लाभार्थियों को मंगलवार को प्लॉट आबंटित किए गए। बाकी बचे हुए लाभार्थियों को भविष्य में प्लाट आबंटन किए जाएंगे। सभी आवंटन हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के पारदर्शी डिजिटल सिस्टम के माध्यम से किए गए। पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी रही।

उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद परिवार को घर उपलब्ध कराने के लक्ष्य को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ तेजी आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के माध्यम से गरीब वर्ग के लोगों का खुद का घर पाने का सपना पूरा हो रहा है। हर व्यक्ति के सिर पर छत मुहैया करवाना हरियाणा सरकार का लक्ष्य है। यह योजना मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनकल्याणकारी सोच और गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों को प्लॉट आवंटन के बाद कब्जा प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

जिला परिषद सीईओ सुरेश राविश ने कहा कि योजना के तहत सभी पात्र लाभार्थियों को चरणबद्ध तरीके से प्लॉट उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इससे पहले प्रथम फेज में पट्टी अफगान में 46, मानस ग्राम पंचायत में 55, रोहेड़ा में 65 तथा हजवाना में 38 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है।

राजीव गांधी खेल स्टेडियम, रोहेड़ा में ब्लॉक स्तरीय अंडर-11 खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

बीईओ बलबीर कश्यप के दिशा-निर्देश अनुसार हुआ आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। मंगलवार, 14 अक्तूबर को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बलबीर कश्यप के दिशा-निदेर्शानुसार ब्लॉक स्तरीय अंडर-11 लड़के एवं लड़कियों की खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ राजीव गांधी खेल स्टेडियम, रोहेड़ा में किया गया।

इस प्रतियोगिता के पहले दिन एथलेटिक्स के मुकाबले आयोजित किए गए, जिनमें छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे:

शॉट पुट (लड़के)

प्रथम स्थान: मानसू-आदर्श स्कूल, जखोली
द्वितीय स्थान: गुणंजय- एम.डी. स्कूल, राजौंद

100 मीटर दौड़ (लड़के)

प्रथम स्थान: प्रीत-अमर पब्लिक स्कूल
द्वितीय स्थान: यश-एम.डी. स्कूल, राजौंद

100 मीटर दौड़ (लड़कियां)

प्रथम स्थान: गरिमा-एच.डी. स्कूल, राजौंद
द्वितीय स्थान: पावनी-जी.पी.एस. खेड़ी सिंबल

खेल भावना और अनुशासन का उत्कृष्ट प्रदर्शन: प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और टीम स्पिरिट का सराहनीय प्रदर्शन किया। अभिभावक और शिक्षक वर्ग ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विशिष्ट अतिथि एवं अधिकारी रहे उपस्थित: इस अवसर पर खेलों के सचिव वीरेंद्र देओल, खेल नोडल अधिकारी सोहन पाल राणा एवं श्रीमती ज्योति, डॉ. सत्यवान अहलावत, प्रिंसिपल राजेंद्र, प्रवक्ता इतिहास अमित, प्रवक्ता इतिहास रविंद्र, प्रवक्ता ज्योग्राफी संदीप, प्रवक्ता फाइन आर्ट सुरेंद्र शास्त्री, कसान, तथा ब्लॉक राजौंद के सभी पीटीआई एवं डीपीई उपस्थित रहे।

खेलों से बच्चों में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे खेल आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को विकसित करते हैं।

ब्लॉक स्तर पर इन प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन से विद्यालयी खेल गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

जिला युवा महोत्सव में भाग लेने के लिए 24 अक्टूबर तक आवदेन करें युवा: डीसी प्रीति

27 व 28 अक्टूबर को आईटीआई कैथल में आयोजित होगा युवा महोत्सव

एसबी संवाददाता

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि आगामी 27 व 28 अक्टूबर को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कैथल में जिला युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सभी 15 से 29 वर्ष तक आयु वर्ग के युवक-युवतियां 24 अक्टूबर तक आवेदन करें। सभी आईटीआई में फॉर्म उपलब्ध है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भाग ले, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

उपायुक्त कैथल प्रीति।

उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय युवा महोत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जिसमें समूह लोक नृत्य, समूह लोक गीत, कहानी लेखन (हिंदी, अंग्रेजी व क्षेत्रीय भाषा), कविता लेखन, पेंटिंग (नशा मुक्त युवा व स्वस्थ जीवन शैली के लिए युवा), भाषण प्रतियोगिता, विज्ञान मेला (केवल मॉडल/ कला कौशल को ही प्रोत्साहित किया जाए) तथा लोक वाद्य यंत्र एकल व समूह आदि प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

कैथल आईटीआई के प्रधानाचार्य सतीश मच्छाल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में प्रथम आने वाले प्रतिभागी को 3100 रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा। द्वितीय को 2100 व तृतीय को 1100 रुपये व प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

प्रतिभागी को रजिस्ट्रेशन फॉर्म के साथ आधार कार्ड, फैमिली आईडी, फोटो व बैंक खाता की प्रति लाना अनिवार्य हैं। प्रथम आने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेंगे।

'जिले में 60 प्रतिशत धान की कटाई पूरी, पराली जलाने का एक भी मामला नहीं'

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिले में धान की कटाई जोरों पर चल रही है और अब तक लगभग 60 प्रतिशत कटाई का कार्य पूरा हो चुका है। कृषि उप-निदेशक वजीर सिंह ने बताया कि जिले के किसानों द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। किसानों की जागरूकता और मेहनत के चलते अब तक जिले में पराली जलाने की एक भी एक्टिव फायर लोकेशन दर्ज नहीं हुई है।

उन्होंने बताया कि कृषि विभाग की टीम लगातार किसानों के सम्पर्क में रहकर सीटू (सीधे खेत में प्रबंधन) व इन-सीटू मैनेजमेंट के कार्यों को प्रोत्साहित कर रही है। इसके साथ ही अन्य किसानों को प्रेरित करने के लिए विभिन्न स्थानों पर डेमो भी लगाए जा रहे हैं।

उप-निदेशक ने बताया कि 15 अक्तूबर को दोपहर 2 बजे विभिन्न गांवों में पराली प्रबंधन को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रगतिशील किसानों की सक्सेस स्टोरी तैयार कर अन्य किसानों तक पहुंचाई जाएगी ताकि जिले को पराली मुक्त बनाया जा सके।